साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 38 | गोंदिया : गुरुवार, 29 अप्रेल से 5 मई 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

गोंदिया शासकीय मेडिकल कॉलेज की इमारत के लिए

६८९ करोड़ रुपए की निधि मंजुर

मान्यताप्राप्त १५० विद्यार्थियों को मिलेगा प्रवेश । बिस्तर क्षमता में हुई बढ़ोतरी

गोंदिया शासकीय मेडिकल कॉलेज की नई इमारत के निर्माण कार्य के लिए शासन द्वारा ६८९ करोड़ रुपए की निधि मंजूर कर प्रशासकीय मान्यता दे दी है। जिससे अब जल्द ही मेडिकल कॉलेज की इमारत का निर्माण कार्य शुरु होगा।

गौरतलब है कि गोंदिया में शासकीय मेडिकल कॉलेज शुरु हुए ५ वर्षों से अधिक समय हो चुका है। लेकिन अब तक मेडिकल कॉलेज की इमारत का निर्माण कार्य शुरु नहीं हो पाया था। गोंदिया मेडिकल कॉलेज को वर्ष २०१६ में मंजूरी प्रदान कर ४४८ करोड रुपए की निधि मंजूर की गई थी। लेकिन उपरोक्त निधि इमारत के निर्माण कार्य के लिए कम होने से मेडिकल कॉलेज की इमारत का निर्माण कार्य शुरु नहीं हो पाया था। लेकिन अब राज्य सरकार द्वारा मेडिकल कॉलेज की इमारत के निर्माण कार्य के लिए ६८९ करोड रुपए के अनुमानित राशि को प्रशासकीय मान्यता देकर मंजूरी प्रदान की है। जिससे अब मेडिकल कॉलेज की इमारत के निर्माण कार्य को गति मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि मेडिकल कॅलेज की मंजूरी के पश्चात इमारत का निर्माण कार्य शुरु नहीं होने से मेडिकल कॉलेज का कामकाज वर्तमान में शासकीय जिला चिकित्सालय केटीएस व महिला चिकित्सालय बाई गंगाबाई महिला चिकित्सालय की इमारत में चल रहा है। जहां समुचित इंतजाम न होने के चलते आए दिन अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें मेडिकल के अनेक विभागों को जगह नहीं मिलने से उन्हें शुरु करने में काफी अड़चन हो रही है। जिसके चलते जिले के मरीजों को मेडिकल कॉलेज का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज में कार्यरत चिकित्सकों व मेडिकल की शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मेडिकल कॉलेज की इमारत के लिए कुडवा में जमीन भी आरक्षित की गई है। लेकिन इसके बावजूद वहां पर निर्माण कार्य शुरु नहीं हुआ था। जिसके लिए महाराष्ट्र में महाविकास आघाडी की सरकार का गठन होते ही सांसद प्रफुल पटेल ने पहल कर मुख्यमंत्री व वैद्यकीय शिक्षा मंत्री के साथ निरंतर चर्चा कर मेडिकल कॉलेज की इमारत का निर्माण कार्य शुरु करने के प्रश्न को गति प्रदान की थी। जिससे वैद्यकीय शिक्षा मंत्री अमित देशमुख ने गोंदिया पहुंचकर इस गंभीर समस्या को देखते हुए जल्द से जल्द इसका हल निकालने का आश्वासन भी दिया था। जिसके चलते मंगलवार को राज्य शासन ने मेडिकल कॉलेज की नई इमारत के निर्माण कार्य के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। जिसके लिए ६८८ करोड़ ४६ लाख ८१ हजार रुपये की निधि को मंजूरी प्रदान की है। जिसके चलते अब जल्द ही युद्धस्तर पर मेडिकल कॉलेज की इमारत का निर्माण कार्य शुरु होगा।

विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता १५०

गोंदिया में शासकीय मेडिकल कॉलेज शुरु हुए ५ वर्षों से अधिक का समय हो चुका है। जिसमें शुरुआत में १०० विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता को मंजूरी प्रदान की गई थी, जो अब बढ़कर १५० हो गई है। जिसके चलते मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को इसमें काफी सहायता मिलेंगी।

६५० बिस्तरों की हुई क्षमता

शासकीय मेडिकल कॉलेज गोंदिया में शुरुआत में ५०० बिस्तरों की क्षमता को मंजूरी प्रदान की गई थी। लेकिन अब १५० विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता के साथ ही बिस्तरों की संख्या ६५० कर दी गई है। जिसके चलते गोंदिया जिले के स्वास्थ्य व्यवस्था में बढ़ोतरी होने के साथ ही नागरिकों को उत्तम दर्जे की स्वास्थ्य सुविधा मिलेंगी। मेडिकल कॉलेज की नई इमारत का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने के पश्चात मरीजों को रेफर टु नागपुर नहीं होना पड़ेगा।

जिले के नागरिकों को मिलेंगी उत्तम स्वास्थ्य सुविधा

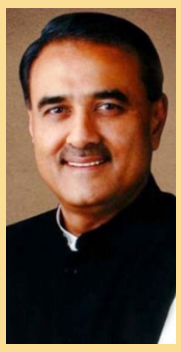

गोंदिया जिले के नागरिकों को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त हो, इसके लिए गोंदिया में शासकीय मेडिकल कॉलेज मंजूर किया गया, किंतु राज्य में तत्कालीन भाजपा सरकार द्वारा इस ओर दुर्लक्ष किए जाने के चलते समय पर इमारत का निर्माण कार्य नहीं हो पाया। लेकिन अब जिले के नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रश्न को देखते हुए निरंतर प्रयास किया गया तथा अब ६८९ करोड़ रुपए की निधि मंजूर हो जाने से कॉलेज की इमारत का मार्ग खुल गया है। जिससे जल्द ही इमारत का निर्माण कार्य पूरा होकर मेडिकल कॉलेज नई इमारत में शुरु होगा।

– प्रफुल पटेल, सांसद

बुलंद गोंदिया एवं युवा संकल्प बहुउद्देशीय विकास संस्था के संयुक्त तत्वाधान में

कोरोना संक्रमितों व उनके परिजनों के दोनों समय के भोजन की निशुल्क व्यवस्था

हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें या व्हाट्सएप भेजें

२८ अप्रैल से होंगी सेवा की शुरुवात

गोंदिया जिले व शहर में कोरोना संक्रमण तेज गति से बढ़ रहा है। जिसमें परिवार के अनेक लोग संक्रमित होने से घर में भोजन बनाने का संकट निर्माण हो रहा है। साथ ही गोंदिया में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से उपचार के लिए आने वाले मरीजों के परिजनों के समक्ष लॉकडाउन के समय भोजन प्राप्त करना मुश्किल हो रहा है। ऐसे नागरिकों के लिए दोनों समय का निशुल्क भोजन पैकेट उपलब्ध किया जाएगा। जिसमें सुबह के भोजन का समय दोपहर १२ से १ बजे तक व रात्रि के भोजन का समय शाम ५ से ६ तक का रखा गया है। भोजन सर्कस मैदान चौक तथा होटल आरजे डाईन, टॉम जिम के सामने तिरोडा रोड गोंदिया पर उपलब्ध होगा। जिसे मरीजों के परिजन या उनके प्रतिनिधि को आकर प्राप्त करना होगा।

भोजन व्यवस्था सुचारु चले इसके लिए सुबह ९ से १० बजे व दोपहर २ से ३ बजे तक हेल्पलाइन नंबर- राजा जायसवाल ९४०४२००००, संतोष जाधव ७४९९९८५३६५ व दिपांशु पिल्ले ९०२८१२०७०६ पर संपर्क करें अथवा व्हाट्सएप मैसेज करें। भोजन प्राप्त करने हेतु मरीज की रिपोर्ट दिखाना जरुरी होगा, जिससे उक्त सुविधा का दुरुपयोग ना हो।

कोरोना सेंटर में चिकित्सकों पर हमला करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई - पुलिस अधीक्षक पानसरे

गोंदिया – कोरोना संक्रमण बढ़ने के साथ ही मरीजों की संख्या में भी बढ़ोतरी हो रही है। जिनके उपचार के लिए शासकीय व निजी मान्यताप्राप्त चिकित्सालय में कोविड सेंटर तैयार किए गए हैं। जिसमें उपचार के दौरान मरीज की मौत होने, चिकित्सालय में बेड उपलब्ध न होने के कारण सेंटर में भीड़ कर डॉक्टरों को धमकी तथा मारपीट करने के मामले जिले में बढ़ रहे हैं। जिस पर लगाम लगाने के लिए डॉक्टरों पर हमला करने वाले आरोपियों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे दिए हैं।

गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण बढ़ने के साथ ही मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। जिसके चलते शासकीय व मान्यताप्राप्त निजी कोविड सेंटरों में विभिन्न कारणों को लेकर मरीजों के परिजनों द्वारा चिकित्सकों को धमकी व मारपीट के मामले जिले में बढ़ रहे हैं। जिस पर नियंत्रण करने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में एक सभा आयोजित की गई। जिसमें इन घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए सभी उपविभागीय पुलिस अधिकारी द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप बनाए जाएंगे। जिसमें उप विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी, कोविड मरीजों का उपचार करने वाले सभी शासकीय व निजी डॉक्टर ग्रुप के सदस्य रहेंगे। साथ ही पुलिस नियंत्रण कक्ष प्रभारी अधिकारी, पुलिस निरीक्षक, जिला विशेष शाखा पुलिस उपअधीक्षक, गृह व पुलिस अधीक्षक गोंदिया ये सदस्य रहेंगे। इसके अलावा पुलिस नियंत्रण कक्ष में चिकित्सकों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर भी शुरु कर उपरोक्त हेल्पलाइन नंबर पर मैसेज देखने के लिए २४ घंटे कर्मचारी की नियुक्ति की गई।

चिकित्सकों को पुलिस सहायता की आवश्यकता होने पर ग्रुप में मैसेज देने पर सभी अधिकारी देखेंगे व तत्काल डॉक्टर की मदद के लिए नियंत्रण कक्ष से समीप के गस्तपथक को रवाना किया जाएगा। इसके साथ ही गोंदिया शहर संबंधित पुलिस थानों की सीमा में गस्तपथक निरंतर गश्त लगाएंगे जिनका सहयोग नियंत्रण कक्ष कि स्टाइकिंग फोर्स, यातायात शाखा के प्रभारी अधिकारी, गश्त लगाते हुए कोविड-सेटर में प्रत्येक २ घंटे में भेट देंगे। साथ साथ ही पुलिस स्टेशन के बीट मार्शल भी कोविड सेंटर पर गस्त लगाएंगे तथा अपनी सीमा के अंतर्गत आने वाले हॉस्पिटल को भेंट देकर स्थिति की समीक्षा करेंगे। किसी भी प्रकार की अनुचित घटना न हो इसके लिए उचित कार्रवाई की जाए, इस प्रकार की सूचना आयोजित सभा में जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे द्वारा दी गई।

उपरोक्त सभा में उपविभागीय पोलीस अधिकारी गोंदिया जगदीश पांडे, उपविभागीय पोलीस अधिकारी तिरोड़ा नितिन यादव, उपविभागीय पोलीस अधिकारी आमगांव जालिंदर नकुल, पुलिस उपअधीक्षक होम तेजस्विनी कदम, शहर पुलिस निरीक्षक महेश बंसोडे, रामनगर पुलिस निरीक्षक प्रमोद घुगे, नियंत्रण कक्ष पुलिस अधिकारी सुजीत चौहान, विशेष शाखा प्रभारी उद्धव दमाडे उपस्थित थे।

जिले के ३५ पशु चिकित्सालयों में नहीं एक भी चिकित्सक, यह कैसा पशु संवर्धन?

५ लाख से अधिक मवेशियों का स्वास्थ्य १४ चिकित्सकों के भरोसे

प्रतिनिधि गोंदिया – जिले के ३५ पशु चिकित्सालयो में एक भी चिकित्सक नहीं होने से पशुओं की जान खतरे में आ गई है। एक ओर पशुपालन को बढ़ावा दिया जा रहा हैं, तो दूसरी ओर पशु चिकित्सालय में चिकित्सकों का पता नहीं होने से यह कैसा पशु संवर्धन? इस तरह का सवाल उपस्थित करते हुए पशुपालकों ने शासन के खिलाफ तीव्र असंतोष व्यक्त किया है। शासन का ध्यान नहीं होने से जिले के पालतू मवेशी अनेक बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। बता दे कि गोंदिया जिले में श्रेणी-१ के ४२ एवं श्रेणी-२ के ३० इस प्रकार कुल ७२ पशु चिकित्सालय सरकार द्वारा क्रियान्वित कर ४९ पशु चिकित्सकों के पद मंजूर किए गए हैं। लेकिन सिर्फ १४ चिकित्सक ही ५ लाख से अधिक पशुधन का इलाज कर रहे हैं। प्रथम श्रेणी के ४२ चिकित्सालयों में ४२ चिकित्सक होने चाहिए थे, लेकिन सिर्फ १० चिकित्सकों के कंधे पर पशु चिकित्सा की जिम्मेदारी दी गई है। यह गंभीर स्थिति पिछले अनेक वर्षों से बनी हुई है। जिससे बीमारियों का प्रकोप होने पर पशुओं की जान बचाना पशुपालकों के लिए बहुत बड़ी चेतावनी साबित हो जाती है। जिले में जहां वहां पशु चिकित्सालय बनाए गए हैं, लेकिन डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने से इन पशु चिकित्सालयों का क्या उपयोग? यह गंभीर प्रश्न उपस्थित हो रहा है।

कुछ दिनों पूर्व ही जिले में लंपी स्किन डिसीज नामक बीमारी से जिले के हजारों किसान परेशान हो गए थे। चिकित्सकों की कमी के चलते उपचार करने के लिए उन्हें सरकारी या निजी कोई भी चिकित्सक उपलब्ध नहीं हो रहा था। जिससे उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसी गंभीर समस्या के चलते जिले के अनेक किसान अब पशुपालन की और ध्यान नहीं दे रहे हैं।

सालेकसा, अर्जुनी मोरगांव की स्थिती गंभीर

सालेकसा एवं अर्जुनी मोरगांव तहसिल के किसी भी पशू चिकित्सालय मे एक भी पशुधन विकास अधिकारी नहीं होने से यहां पशु संवर्धन से संबंधित कितनी गंभीर स्थिति है, यह सोच से परे है। समय पर चिकित्सक नहीं मिलने से पशुपालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

योजनाओं का क्रियान्वयन हो गया मुश्किल

पशु चिकित्सालययो का कारभार एवं विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन करने के लिए कार्यालयों के मुख्य अधिकारी होना आवश्यक है। लेकिन जिले के अधिकांश पशु चिकित्सालय में पशुधन विकास अधिकारी नहीं होने से शासकीय योजनाओं का बंटाधार हो रहा है।

वरिष्ठो को अवगत कराया गया है

रिक्त पदों के संदर्भ में वरिष्ठों को समय-समय पर अवगत कराया जाता रहा है। उपलब्ध चिकित्सकों एवं अन्य कर्मचारियों की मदद से अच्छी से अच्छी स्वास्थ्य सेवा देने का प्रयास किया जा रहा है।

– डॉ. कांतिलाल पटले
जिला पशुसंवर्धन अधिकारी, गोंदिया

जामड़ी दोड़के जंगल परिसर में मृत मिला जंगली भैंसा

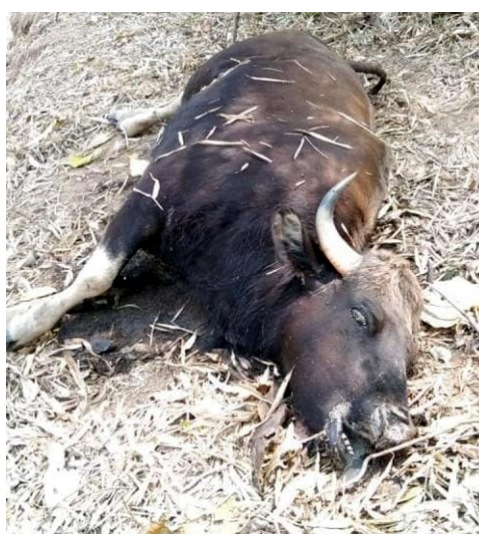

वन विभाग की अनदेखी

अनिल मुनीश्वर – सड़क अर्जुनी तहसील के अंतर्गत आने वाले जामड़ी दोड़के जंगल में वन विकास महामंडल के कंपार्टमेंट नंबर ५११ में एक ३ वर्षीय जंगली भैंसा मृत अवस्था में मिला। ग्रीष्मकाल के दौरान पानी की कमी होने के चलते वन्य प्राणियों की मौत हो रही है। जिस पर वन विभाग द्वारा अनदेखी की जा रही है।

उपरोक्त वन क्षेत्र में बीट रक्षक माया घासले को गस्त के दौरान जंगली भैंसा मृत अवस्था में दिखाई दिया। वन विभाग के अनुसार भैंसे की मौत करीब ५ दिनों पूर्व होने का अंदाजा लगाया गया है। इस घटना की जानकारी मिलते ही सहायक वनरक्षक पंकज उइके, वन परिक्षेत्र अधिकारी अभिजीत देशमुख, क्षेत्र सहायक रमेश लांबट व वनरक्षक माया घासले ने घटनास्थल पर भेंट दी। जहां सड़ी-गली अवस्था में भैंसे का मृत शव दिखाई दिया। जिसके पश्चात घटनास्थल पर ही उसका पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार किया गया। इस संदर्भ में पोस्टमार्टम करने वाले पशु चिकित्सक डॉ. श्रीकांत वाघाये पाटिल ने बताया कि शव सड़ी-गली अवस्था में होने से पोस्टमार्टम बराबर नहीं हो पाया है। जिसके चलते मरने का कारण स्पष्ट नहीं हुआ।

विशेष यह है कि गोंदिया जिले के संरक्षित वन क्षेत्रों में विचरण करने वाले वन्य प्राणियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी वन विभाग की है। लेकिन अधिकारी व कर्मचारी इस ओर अनदेखी कर रहे हैं। उपरोक्त क्षेत्र में एक से डेढ़ माह में यह दूसरे जंगली भैंसे की मरने की घटना सामने आयी है। गर्मी का प्रकोप बढ़ते ही वन क्षेत्र में पानी की किल्लत हो जाती है। हालांकि वन विभाग द्वारा पानी की व्यवस्था करने के दावे किए जाते हैं। लेकिन वन्य प्राणी पानी के अभाव में ग्रामीण क्षेत्रों की ओर पलायन करते हैं। पानी नहीं मिलने के चलते अनेक वन्य प्राणियों की मौत हो जाती है। साथ ही इस कारण ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों पर हमले, वन्यजीव व मानव में हिंसक झड़प व दुर्घटना का शिकार होकर भी वन्यप्राणी व नागरिक घायल होने के साथ ही जान गवाते हैं। वन विभाग द्वारा इस ओर तत्काल कड़े कदम उठाए जाने चाहिए।

संपादकिय

हालात बेकाबू क्यों..?

संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों ने गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। देश जिस अपूर्व संकट से गुजर रहा है, वैसा शायद कई दशकों में नहीं देखा गया। अस्पतालों में बिस्तरों, दवाइयों और ऑक्सीजन सिलेंडरों की भारी कमी पड़ गई है। यह स्थिति किसी एक राज्य की नहीं बल्कि महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा जैसे कई राज्यों के हालात चिंताजनक हैं। जल्द ही पश्चिम बंगाल भी में इनमें शामिल हो जाए तो अचरज नहीं। इसमें अब कोई संदेह नहीं कि केंद्र और राज्य सरकारों हाथ-पैर फूल रहे हैं। प्रधानमंत्री को एक बार फिर उच्चस्तरीय बैठक करनी पड़ी।

उन्होंने दवाइयों और ऑक्सीजन का उत्पादन बढ़ाने को कहा है। राज्य सरकारें अपने-अपने यहां स्थिति काबू में होने के दावे तो करती दिख रही हैं, लेकिन श्मशानों में लाशों के ढेर हकीकत उजागर करने के लिए काफी हैं। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर स्थिति बद से बदतर हुई क्यों? दावा यह किया जा रहा है कि पिछले एक साल में हमने काफी कुछ सीखा, पर आज जब रोंगटे खड़े कर देने वाले हालात हैं तो लग रहा है कि साल भर में हम कोई ठोस तैयारी नहीं कर पाए। पिछले साल सितंबर तक मरीजों की संख्या एक लाख के करीब पहुंची थी। तब से ही विश्व स्वास्थ्य संगठन और विशेषज्ञ सचेत करते रहे हैं कि भविष्य में आने वाली दूसरी लहरें ज्यादा तेज और घातक होंगी। सवाल है कि क्या ऐसी चेतावनियों को हमने जरा भी गंभीरता से लिया?

दैनिक संक्रमितों का आंकड़ा ढाई लाख तो पार कर ही गया और तीन लाख पहुंचने का अंदेशा है। हम अमेरिका से भी ज्यादा भयानक स्थिति में जा रहे हैं। गौर इस बात पर करने की जरुरत है कि आज लोग सिर्फ संक्रमण से दम नहीं तोड़ रहे, बल्कि समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है, इसलिए मौतों का आंकड़ा बढ़ रहा है। जरुरतमंदों को ऑक्सीजन नहीं मिल रही है। रेमडेसिविर जैसी दवाओं की भारी कमी है और इसकी कालाबाजारी हो रही है। अस्पतालों में अब और जगह नहीं बची है। ये हालात बता रहे हैं कि हम कुछ भी खास नहीं कर पाए। जब संक्रमितों का आंकड़ा दो से तीन लाख तक जाने का अनुमान था तो ऑक्सीजन और दवाइयों के बंदोबस्त क्या पहले से नहीं किए जाने थे? अगर चीजें उपलब्ध रहतीं तो हजारों जानें बचाई जा सकती थीं।

बहुत पहले तय हो चुका था कि महामारी से निपटने के लिए सबसे ज्यादा जोर जांच पर होना चाहिए। लेकिन कई राज्यों ने संसाधनों का अभाव बता कर व्यापकस्तर पर जांच से पल्ला झाड़ लिया। इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि संक्रमण इसीलिए तेजी से फैला। आज जांच केंद्रों पर भारी भीड़ है। लोगों को घंटों कतार में खड़े होना पड़ रहा है और रिपोर्ट आने में कई दिन लग जा रहे हैं। साफ है कि हम जांच के लिए भी पुख्ता ढांचा और नेटवर्क नहीं बना पाए। यह सच है कि संक्रमण के मामलों में लापरवाही बड़ा कारण बनी है। कुंभ और चुनावी रैलियों में उमड़ी भीड़ ने आग में घी का काम किया। पहली लहर के बाद जरा-सी राहत मिलते ही सरकारें निश्चिंतता जताने लगीं और लोग बेपरवाह हो गए। नतीजा आज सामने है। अगर एक सौ उनतालीस करोड़ की आबादी ऐसे भयानक संकट में पड़ जाए तो उससे पार पाने के लिए कैसा मजबूत तंत्र और पर्याप्त संसाधन होने चाहिए, इस बारे में विचार करने का यही मौका है।

कोरोना मरीजों को चिकित्सालय कराएंगे रेमडेसिविर उपलब्ध

परिजनों को बाहर से नहीं होंगा लाना - जिलाधिकारी दीपककुमार मीना

गोंदिया - कोविड-१९ चिकित्सालयों में उपचार कराने वाले संक्रमित मरीजों को लगने वाला रेमडेसिविर इंजेक्शन अब चिकित्सालय प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। जिसके लिए मरीज के परिजनों को इंजेक्शन लाने नहीं बोला जा सकता, ऐसा जिला अधिकारी तथा अध्यक्ष जिला आपदा व्यवस्थापन दीपककुमार मीना ने २६ अप्रैल को आदेश जारी कर निर्देश दिया है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले को शासन व आपूर्ति एजेंसी से प्राप्त होने वाले रेमडेसिविर इंजेक्शन का वितरण चिकित्सालय की क्षमता अनुसार उपलब्धता अनुसार समान प्रमाण में प्रतिदिन वितरित किया जाता है। इस संदर्भ में सभी चिकित्सालयों को सविस्तार मार्गदर्शक सूचना भी दी गई है। जिसमें सभी चिकित्सालयों द्वारा ही मरीज को लगने वाला रेमडेसिविर इंजेक्शन उपलब्ध करवा कर देना आवश्यक है। किंतु जिले में यह देखने आ रहा है कि मरीज के रिश्तेदारों को बाहर से रेमडेसिविर इंजेक्शन लाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। जिसकी जिलाधिकारी कार्यालय के हेल्पलाइन नंबर पर नागरिकों की बड़े प्रमाण पर शिकायतें प्राप्त हो रही है। साथ ही बाहर से इंजेक्शन की उपलब्धता के लिए जिला अधिकारी कार्यालय में मरीजों के परिजनों की संख्या दिनोंदिन बढ़ रही है। गोंदिया जिले में कोविड-१९ मरीजों का उपचार करने वाले सभी चिकित्सालय (डीसीएच / डीसीएचसी) को आदेश दिया जाता है कि मरीज को रेमडेसिविर इंजेक्शन की आवश्यकता होने पर वैद्यकीय प्रमाणीकरण जवाबदारी संबंधित वैद्यकीय अधिकारी व यंत्रणा की है। जिसमें चिकित्सालय स्वयं मरीज को रेमडेसिविर इंजेक्शन उपलब्ध करा कर दें तथा मरीज के रिश्तेदारो को इंजेक्शन बाहर से लाने के लिए न बोले।

संचारबंदी के दौरान मरीज के परिजन विभिन्न स्थानों पर इंजेक्शन के लिए जाने पर संक्रमण का खतरा निर्माण हो सकता है। जिसके लिए चिकित्सालय परिजनों पर किसी भी प्रकार का दबाव न लाया जाए तथा इस आदेश का तत्काल पालन करें। अन्यथा संबंधित चिकित्सालय पर महाराष्ट्र कोविड उपाय योजना २०२० व आपदा व्यवस्थापन अधिनियम २००५ की धारा ५१ से ६० तथा भारतीय दंड संहिता (४५ ऑफ १९६०) व धारा १८८ तथा अन्य लागू होने वाले कानून के अनुसार दंडनीय कार्रवाई की जाएगी। ऐसा आदेश २६ अप्रैल को जिलाधिकारी व अध्यक्ष आपदा व्यवस्थापन प्राधिकरण दीपककुमार मीना द्वारा जारी किया गया है।

विधायक चंद्रिकापुरे के प्रयास से सड़क अर्जुनी कोविड-सेंटर को मिले ऑक्सीजन सिलेंडर

संवाददाता - सड़क अर्जुनी तहसील में कोरोना पॉजिटिव मरीजों के केस रोज बढ़ रहे हैं। जिसमें मरीजों का ऑक्सीजन लेवल कम हो जाने से उन्हें सांस लेने में काफी परेशानियां हो रही है। ऐसी परिस्थिति में मरीजों के प्राण बचाने के लिए कृत्रिम ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। इसमें सड़क अर्जुनी कोविड-सेंटर का वाहन गोंदिया के शासकीय जिला चिकित्सालय में सुबह से ही सिलेंडर लेने के लिए खड़ा था। लेकिन उसे सिलेंडर दूसरे दिन मिलेंगे ऐसा कहा गया। इसकी जानकारी क्षेत्र के विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे को होते ही वे तत्काल स्वयं शासकीय जिला चिकित्सालय में पहुंचकर वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की तथा वितरक श्याम इंटरप्राइजेस से बात कर तत्काल ५ ऑक्सीजन सिलेंडर प्राप्त करते हुए अपने वाहन से अर्जुनी को रवाना हुए। जिसके पश्चात कोविड-सेंटर को भेंट देकर मरीजों व कर्मचारियों से चर्चा कर किसी भी प्रकार की परेशानी आने पर तत्काल इसकी सूचना उन्हें देने के आदेश दिये। इस दौरान उनके साथ शहा, डॉ.सुगद चंद्रिकापुरे, सुबीर शेख, माविम के सहयोगी स्वास्थ्य कर्मचारी व स्टाफ उपस्थित थे।

सूत्रनेती

योगाचार्य नरेन्द्र आर्य

विधि : सूत से बनी हुई एक रस्सी जिसे सूत्रनेती कहा जाता है। सूत्रनेती को नासिका में डालने से पहले जल में भिगो देना चाहिए, भिगोकर थोड़ा वृत्ताकार में जहां सूत्रनेती पर मोम लगा रहता है, वहां से मोड़ना चाहिए। जिससे नेती आसानी से नासाद्वार में प्रविष्ट हो जाए। अब दायीं नासिका में शनै-शनै नेती को डालें। मुख में आने पर हाथ की सहायता से धीरे-धीरे बाहर खींच लें।

टिप्पणी : सूत्रनेती के अभाव में चार से पांच नंबर के कैसेटर से भी सूत्रनेती कर सकते हैं। नेती करने से नासिका एवं गले में एक विशेष प्रकार की भीनी-भीनी पीड़ा का अनुभव होने लगता है। इसलिए इसके पश्चात धृतनेती या तेलनेती करनी चाहिए।

धृतनेति विधि : कुर्सी पर बैठकर अथवा तख्त या चटाई पर लेट कर सिर को थोड़ा पीछे की ओर लटकाये। अब छोटे चम्मच की सहायता से नासिक में गुनगुने घी की ८ से १० बूंद डालें। इसी प्रकार तेलनेती भी होती हैं। नासिका से दुग्धापान करने को दुग्धानेती कहते हैं। जलनेती के अभ्यास में परिपूर्ण होने पर दुग्धनेती की जाती है। दुग्धनेती करते समय जलनेती की तरह मुंह खोलकर दूध बाहर नहीं निकलते, बल्कि दूध को धीरे-धीरे पी जाते हैं।

लाभ : नेती को गले के ऊपर के समस्त रोगों को शीघ्र दूर करने वाली कहां जाता है। नजला, जुकाम एवं अन्य कफ रोगों को नेती अवश्य दुर करती है। नेत्र विकार, बालों का सफेद होना, सिरदर्द आदि बीमारियों में नेती अत्याधिक लाभप्रद है।

आज की बात...

कोरोना महामारी अभिशाप और वरदान

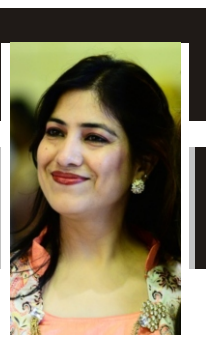

तमन्ना मटलानी
गोंदिया (महाराष्ट्र)

ऊपर दिए गए शीर्षक को पढ़कर आप सभी के मन में एक विचार अवश्य आया होगा कि कोरोना महामारी अभिशाप तो है ही पर वरदान कैसे हो सकती है? हम सभी जानते ही हैं कि किसी भी तथ्य के दो पहलू जरुर होते हैं, जैसे दिन का दूसरा पहलू रात होती है, ठीक उसी प्रकार से जीवन में यदि सुख है तो व्यक्ति दुख के बिना सुख का महत्व नहीं समझ सकता, सिक्के में हैड और टेल हैं, पुस्तक का यदि प्रथम पृष्ठ है तो उसके अंतिम पृष्ठ के बिना पुस्तक पूर्ण नहीं हो सकती, जीवन में जिसने भी जनम लिया है तो जीवन के दूसरे और अंतिम पड़ाव को अर्थात् मृत्यु को पार करना ही है। ऐसे कई उदाहरण हम अपने जीवन में देखते हैं। अब ठीक उसी प्रकार से कोरोना महामारी के भी दो पहलू है। आइए हम सभी मिलकर बारी-बारी से इन पहलुओं पर विचार करें...

कोरोना महामारी एक अभिशाप

जैसा कि हम सभी जानते ही हैं कि कोरोना वायरस सारी दुनिया को अपनी चपेट में ले चुका है। अमेरिका जैसा साधन-सम्पन्न और विकसित देश तथा अन्य साधन सम्पन्न यूरोपीय देश, जिनके पास हर आपदा से लड़ने के हथियार और साधन उपलब्ध हैं, ऐसे शक्तिशाली देश भी इस वायरस रुपी बीमारी से घबरा गए हैं। इस बात से ही हम इस बीमारी के भयावह रुप का अनुमान लगा सकते हैं।

अभी पूरी दुनिया में कोरोना महामारी की दूसरी लहर अपने चरम पर जा पहुंची है। वैज्ञानिकों के मतानुसार प्रथम लहर की अपेक्षा यह दूसरी लहर ज्यादा घातक सिद्ध हो रही है। पूरी दुनिया में इस महामारी के चपेट में करोड़ों लोग आ चुके हैं। हमारे भारत देश में भी इस बीमारी से पीड़ित लोगों की संख्या करोड़ो में पहुंच गई है। दिनों-दिन इस संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इस महामारी के कारण संपूर्ण देश में उद्योग-धंधे और व्यापार ठप्प हो चुके हैं। कई कंपनियां और व्यापारी दिवालिया होने की कगार तक पहुंच गए हैं।

हमारे देश में ही इस बीमारी के कारण मरने वालों की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। जब हम बार-बार अपने परिसर से गुजरती हुई रुग्णवाहिका की आवाज सुनते हैं तो दिल एक अलग ही भय के साथ धड़कने लगता है। निरंतर बढ़ती हुई मरीजों की संख्या के कारण अस्पतालों में होने वाली अव्यवस्थाओं के चलते डॉक्टर्स भी अपने को असहाय समझने लगे है। ये सारी विकट परिस्थितियां एक अभिशाप की तरह ही तो दिखाई दे रही हैं।

हमारे देश में छोटे-छोटे व्यापारियों की संख्या बहुत अधिक है। हमारे देश के कई व्यापारी भाईयों को इस महामारी के कारण बहुत बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। दूसरे विश्वयुद्ध के समय भी रेलगाड़ी के पहिए नहीं थमे थे पर इस महामारी ने तो रेल के पहियों पर भी ब्रेक लगा दिया और उसकी रफ्तार को धीमा कर दिया है। सरकार के आर्थिक स्त्रोतों में भी कमी दिखाई दे रही है, जिससे सरकारी खजाने पर भारी बोझ पढ़ गया था। जैसे-तैसे हम संभले ही थे कि हमारी ही थोड़ी सी लापरवाही के कारण कोरोना की दूसरी लहर ने अपना विकराल रुप दिखाना शुरु कर दिया। अगर हम सभी प्रशासन के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करते रहते तो शायद यह भयावह रुप हमें देखने को नहीं मिलता। घर के बुजुर्ग भी मानते हैं कि उन्होंने ऐसी विपदा अपने जीवनकाल में कभी नहीं देखी थी।

मजदूर वर्ग जो रोज कमा कर ही अपनी आजीविका चलाता है, उसे भी आज रोजगार उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। रोज कमाकर खाने वाले लोगों के सामने तो भुखमरी की नौबत आ गई है। उनको तो यह भी समझ में नहीं आ रहा है कि भविष्य में आखिर उनके जीवन का चक्र किस प्रकार से चलेगा?

साथियों, अगर हम इस बीमारी के अभिशाप के बारे में लिखने बैठेंगे तो शायद हमारे पास उपलब्ध कागज भी कम पड़ जाएंगे। इसलिए हम अगर इस बीमारी के अभिशाप की तुलना मानव समाज के सबसे अधिक बुरे दौर से करें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। वैज्ञानिकों के मतानुसार अगर हम सभी शासन के द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के पालन करते रहेंगे तो बहुत ही जल्द इस महामारी से हम बाहर निकल जाएंगे। हम स्वयं भी सुरक्षित रहेंगे, हमारा परिवार भी सुरक्षित रहेगा और हमारा देश भी पूर्ण रुप से इस बीमारी को हरा सकता है। मन में हमेशा एक विश्वास रखिए कि जब हमारे देश में इस बीमारी से बचाव का कोई उपाय नहीं था तो भी हम अपनी सूझबूझ से इस बीमारी को हरा चुके है तो फिर जब आज हमारे देश में इस बीमारी से बचाव के लगभग कई साधन उपलब्ध हैं तो हम कैसे हार सकते हैं? हमें नकारात्मक खबरों के फैलाव से बचना चाहिए।

कोरोना महामारी एक वरदान

इस बीमारी को कोई भी व्यक्ति वरदान नहीं मान सकता है, पर इस महामारी और विपदा के दौर में लोगों के अंदर सेवाभाव और इंसानियत को देखकर हम इस बीमारी को वरदान के रुप में भी देख सकते हैं। क्योंकि कहीं न कहीं इस बीमारी के कारण हर व्यक्ति एक-दूसरे के लिए चिंतित नजर आ रहा है। जैसा कि हम सभी को जानकारी है कि इस बीमारी के विकराल रुप से हम सभी को बचाए रखने के लिए सरकार की ओर से लॉकडाउन का सहारा लेना पड़ा था। अचानक से हुए लॉकडाउन के कारण कई गरीब और अमीर लोग भी एक ही जगह पर फंस कर रह गए थे। हर किसी व्यक्ति के पास एक सीमित जमा पूंजी होती है। एक कहावत है कि सिर्फ बैठकर ही हम जमा पूंजी का उपयोग करते रहेंगे तो कुबेर का खजाना भी कम पड़ जायेगा, फिर आम लोगों की थोड़ी-सी और सीमित जमा पूंजी क्या मायने रखती है?

गरीब और मजदूरवर्ग को इस लॉकडाउन का सबसे बुरा असर झेलना पड़ा था। गरीब व्यक्ति को रोज कमाने के बाद ही दो वक्त का भोजन नसीब होता है, ऐसे लोग इस लॉकडाउन के चक्कर में पिस कर रह गए थे। सरकार की ओर से उनके भोजन के लिए राशन की व्यवस्था की गई। जिसके चलते समय-समय पर आर्थिक मदद और मुफ्त राशन की मदद भी पहुंचाई गई थी, पर आखिर कुछ कमी रह ही गई थी। इस कमी को पूरा करने के लिए कई स्वयं-सेवी संस्थाओं और दयावान दानीदाताओं के सहयोग से ऐसे परिवारों को राशन और भोजन की व्यवस्था करके मदद करने की यथासंभव कोशिशें की गई थी। इसके अलावा कुछ बीमार व्यक्तियों के लिए दवा पहुंचाने का कार्य भी हुआ है। इस प्रकार की गई इंसानियत और भाईचारे को ही हम इस महामारी का वरदान मान सकते हैं।

कोरोना काल में प्रकृति और पर्यावरण की शुद्धि हो गई है, नदियों का अशुद्ध पानी शुद्ध हो गया है, करोड़ो रुपये खर्च करने के बाद भी जो गंगा का पानी शुद्ध नहीं हो सका वह स्वयं ही शुद्ध हो गया है, यह बात भी किसी वरदान से कम नहीं है।

हर एक सामर्थयवान व्यक्ति ने अपनी शक्ति के अनुसार गरीबों और नि:सहाय लोगों की मदद बिना किसी जाति-धर्म के भेदभाव किए दुनिया के सबसे बड़े धर्म इंसानियत के धर्म का परिचय दिया है, इस दिल की भावना को भी कोरोना काल का एक वरदान मान सकते है।

आज के दौर में आक्सीजन की अहमियत हर किसी को समझ में आ रही है । प्रकृति के द्वारा हमें पेड़ो के माध्यम से जो नि:शुल्क आक्सीजन की प्राप्ति जीवन पर्यंत होती रहती है, अगर हम सभी इस बात को समझकर पेड़ लगाना और उनका संरक्षण करना प्रारंभ करेंगे तो यह भी किसी वरदान से कम नहीं है। मराठी में एक कहावत है, **अति तिथे माती**, आखिर प्रकृति भी अपना विनाश कब तक देखेगी? आज हर इंसान आक्सीजन के जुगाड़ में मारा-मारा फिर रहा है, अगर ऐसे समय में हम पर्यावरण की रक्षा करने का प्रण करते हैं तो यह भी एक वरदान से कम नहीं होगा।

साथियों, अगर हम वरदान और अभिशाप की तुलना इस दौर से करना चाहेंगे तो शायद हम इसका अध्ययन सही रुप से नहीं कर पाएंगे। इसलिए वाद-विवाद की किसी भी जटिलता में न उलझ कर आज हम सभी एक प्रण करें कि इस बीमारी से हम अपना और अपने पूरे परिवार का बचाव करेंगे और साथ ही सभी को इस खतरनाक बीमारी से बचाव के लिए सरकार की ओर से बताए जा रहे हर एक सुझाव और गाईडलाईन का पालन करने के लिए प्रेरित करेंगे। हम हमेशा सार्वजनिक स्थान पर मास्क का उपयोग करेंगे, दो गज की दूरी बनाए रखेंगे और हाथों को बार-बार साफ करेंगे।, इसी विश्वास के साथ मैं आज के इस लेख को विराम दे रही हूं...

आप सभी और आपका परिवार स्वस्थ रहे-सुरक्षित रहे, इसी तमन्ना के साथ...

साप्ताहिक राशिफल

मेष : आपकी शिकायत करने की आदत सही नहीं है। सावधान रहें। करियर संबंधित योजना बनाते हुए अनुभवी व जानकार लोगों से सलाह लेना हितकर रहेगा। अमीर बनने के लालच में चालू स्कीमों में पैसा लगाने से बचें।

वृषभ : काम से जुड़ा दबाव आप पर हावी नहीं होगा। किसी फाइनेंशियल एक्सपर्ट की सलाह पर ही निवेश करें। रुके हुए काम इस सप्ताह शुरु हो सकते हैं। नौकरीपेशा और बिजनेस करने वालों को आसपास के लोगों की मदद मिल सकती है।

मिथुन : लंबे समय से मार्केटिंग फील्ड ज्वॉइन करने का सपना साकार होगा। छुट्टियों पर जाना खर्चे का काम हो सकता है। अपने अतिरिक्त धन का प्रयोग आप काम के विस्तार के लिए कर सकते हैं।

कर्क : कार्यक्षेत्र में दूसरों पर हावी होने के प्रयास आप पर ही भारी पड़ सकता हैं। अप्रत्याशित आय के स्रोत मिलने के कारण आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार होना मुमकिन है। सपनों के राजकुमार या राजकुमारी से मुलाकात होना संभव है। सेहत का ध्यान रखें।

सिंह : करियर की स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी रह सकती है। शारीरिक स्वस्थता की मदद से आप हर प्रकार के मानसिक तनाव व दबाव को मात देने में सफल रहेंगे। बिजनेस से जुड़े आपके विचारों पर सफलतापूर्वक अमल करना मुमकिन होगा। यात्रा के सितारे बुलंद हैं।

कन्या : लंबी दूरी की यात्रा में सावधानी बरतनी होगी। घर-परिवार में क्लेश का माहौल बना रह सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये उतावलापन दिखाने की जरुरत नहीं। सफलता जरुर मिलेगी। आराम के महत्व को भी समझें।

तुला : मामूली बातों में उलझने से बचेंगे तो जीवन का भरपूर आनंद उठा सकेंगे। निवेश को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरुरत है। नकली मुखौटा पहनने से बचें, खासकर अपनी जीवनसाथी के सामने।

वृश्चिक : आपकी सामाजिक छवि को धक्का पहुंच सकता है। गैरजरुरी सामान की खरीददारी कर सकते हैं। किसी गंभीर बीमारी की समय रहते जांच हो जाने पर इलाज समय पर शुरु हो जाएगा और मुसीबत की घड़ी टल जाएगी।

धनु : व्यवसाय से जुड़े कई सपने साकार होने वाले हैं। नई नौकरी, प्रमोशन या सैलेरी बढ़ने की संभावनाएं हैं। छात्र पॉजिटिव आउटलुक व एनर्जी से ओतप्रोत रहेंगे। गप्पबाजी व अफवाहों से दूर रहें।

मकर : यह सप्ताह मेहमान नवाजी में बीतने वाला है। सॉफ्टवेयर प्रोफेशनलों को अपने सपने साकार करने का मौका मिल सकता है। जो कमर दर्द या जोड़ों के दर्द से परेशान हैं, उन्हें हर्बल ट्रीटमेंट से राहत मिलेगी।

कुंभ : आपकी मेहनत रंग लाएगी। अनअपेक्षित क्षेत्र में भी भाग्य व मेहनत के साथ देने के कारण सफलता सुनिश्चित है। प्रेम संबंध में खुशियां बनी रहेंगी। यात्रा के दौरान परेशानी हो सकती है। गुस्से पर काबू करें।

मीन : आपकी आउट ऑफ द बॉक्स सोच आपको सफलता के रास्ते पर पहुंचाएगी। अनुभवी सहकर्मियों की मदद मिलेगी। सैलेरी भी बढ़ सकती है। लेखकों व पत्रकारों को अपने विचारों पर अमल करने में सफलता मिलेगी। सेहत को लेकर सजग रहें।

धान का चुकारा एवं बोनस जल्द किसानो के खाते मे जमा करे -विधायक विनोद अग्रवाल

उपमुख्यमंत्री और खाद्य आपूर्ति मंत्री को पत्र लिख कर की मांग

१ मई से धान खरेदी केंद्र शुरु हो

गोंदिया जिले मे आनेवाले कुछ दिनों बाद किसान भाईयो द्वारा लगाई रबी धान फसल की कटाई की शुरुवात की जाएगी। जिसके बाद अपने धान को बेचने हेतु धान खरेदी केन्द्रों पर जायेंगे। लेकिन इस बार धान की मिलिंग न होने के कारण सभी गोदाम फूल हैं। जिसके चलते किसान भाईयो में असमंजस है। इसलिए रबी हंगामा की धान फसल की खरीद हेतु सुयोग्य नियोजन करना जरुरी है। जिसके लिए विधायक विनोद अग्रवाल ने राज्य के उपमुख्यमंत्री व खाद्य आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल एवं खाद्य आपूर्ति सचिव विलास पाटील व जिल्हाधिकारी गोंदिया को पत्र लिख कर १ मई से धान खरिदी शुरु करने हेतु विनती की है। राईस मिलर्स ने खरीप मौसम में धान नहीं उठाने के कारण धान खरिदी अच्छे से नहीं हो पाई थी और राईस मिलर्स एवं शासन के संघर्ष में किसान की पीसाई हो गई थी। अभी की परिस्तिथि को मद्देनजर रखते हुए कीं किसानों का हित ध्यान में न रखते हुए धान खरिदी सुचारु रुप से हो, अगर गोदाम खाली नहीं हुए तो खुले में धान की खरिदी हो पर हो और किसानों को होनेवाली समस्या से छुटकारा मिले ऐसी विनती विधायक विनोद अग्रवाल ने की है।

खरीप मौसम की तकलीफ रबी मौसम में न हो

खरीप मौसम मे किसानों को धान शासकीय आधारभूत धान खरिदी केंद्रों पर बेचते वक्त अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा था। गोंदिया के आस-पास के गावों के किसानो का सात-बारा ऑनलाइन न होने के कारण धान खरिदी समय पर न हो सकी। साथ में बारदानों का समय पर उपलब्ध न होना, गोदाम फूल रहना जैसी समस्याएं इस बार न आये इसलिए पहले ही प्रशासन ने तैयारी करनी चाहिए, ऐसी मांग विधायक विनोद अग्रवाल ने की है। साथ में किसान भाईयों ने अपना धान केवल शासकीय आधारभूत धान खरिदी केंद्रों पर ही बेचे ऐसा आवाहन विधायक अग्रवाल ने किया।

बकाया ३४२ करोड़ रुपये किसानों के खाते में त्वरित जमा हो

बीते एक साल से हम सब कोरोना के साथ लड़ाई लड़ रहे हैं। देश लॉकडाउन किया गया लेकिन किसान भाईयों ने न डरते हुए आपनी किसानी जारी रखी और कोरोना काल में बम्पर फसल का उत्पादन लिया और देश की अर्थव्यवस्था में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया। लेकिन उन्हें अभी तक धान का चुकारा और प्रति क्विंटल मिलनेवाला बोनस प्राप्त नहीं हुआ है। किसान पहले ही संकट में हैं और समय पर पैसे न मिलने के चलते निराश हैं। बरसात के मौसम में १ माह का समय बाकी है और कृषि के काम खत्म करने के लिए कुछ दिन शेष हैं। इसलिए मार्केटिंग फेडरेशन १४२ करोड़ के धान के चुकारे और राज्य शासन की ओर से दिया जानेवाला बोनस २०० करोड़ रुपये ऐसे कुल ३४२ करोड़ रुपये किसानों के खाते में त्वरित जमा किये जाए, ऐसी मांग विधायक विनोद अग्रवाल ने पत्र के माध्यम से उपमुख्यमंत्री अजित पवार, अन्न एवं नागरी आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल और सचिव अन्न व नागरी आपूर्ति से की है।

रजेगांव ग्रामीण चिकित्सालय में शुरु करें कोरोना केयर सेंटर - पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें शासकीय व निजी चिकित्सालयों में बेड की कमी के कारण ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवा के लिए भटकना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने जिलाधिकारी व स्वास्थ्य विभाग से रजेगांव के ग्रामीण चिकित्सालय में कोरोना के केयर सेंटर शुरु करने का अनुरोध किया है। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए गए हैं। जिससे जल्द ही रजेगांव में केयर सेंटर शुरु होने पर ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को राहत मिलेगी ऐसी संभावना है। साथ ही शासकीय जिला चिकित्सालय में मंजूर ऑक्सीजन प्लांट के अब तक नहीं बनने पर इस संदर्भ में वैद्यकीय शिक्षा मंत्री अमित देशमुख से शिकायत की थी, जिससे २५ अप्रैल तक प्लांट को शुरु करने की व्यवस्था की जा रही है। गोंदिया को प्रतिदिन १० टन नियमित लिक्विड ऑक्सीजन की सप्लाई हो रही है।

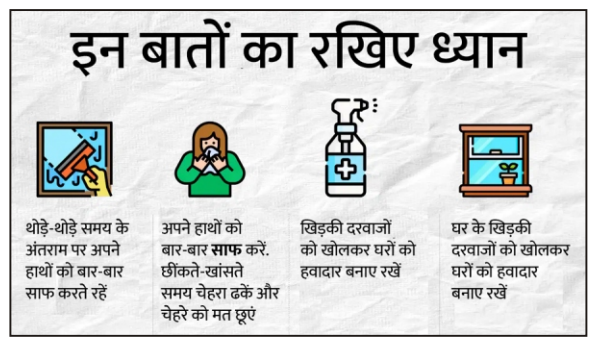

गोंदिया तहसील में स्वास्थ्य सेवा दे रही संस्थाओं और चिकित्सालयों में सुविधा बढ़ाने की दृष्टि से पूर्व विधायक अग्रवाल ने १५ बाईपैप मशीनें उपलब्ध कराई है। जिसमें स्वास्थ्य सेवा दे रहे डॉ.माहुले को २, अग्रसेन स्मारक समिति के सेंटर में ४, डॉ.बजाज के सेंटर हॉस्पिटल में ४ तथा डॉ.बहेकार के केयर हॉस्पिटल में ४ मशीनें निशुल्क दी गई। उल्लेखनीय यह है कि पूर्व विधायक अग्रवाल के प्रयासों से गत वर्षा में शासकीय केटीएस चिकित्सालय, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, जिला क्रीड़ा संकुल, खमारी प्राथमिक आरोग्य केंद्र आदि का निर्माण कराया गया और आज सभी सरकारी इमारतें कोरोना महामारी की लड़ाई में अत्यंत उपयोगी साबित हो रही है। जिले में संक्रमित मरीजों को चिकित्सालय में दाखिल कराने का प्रश्न हो या ऑक्सीजन या रेमडेसिविर इंजेक्शन की व्यवस्था की बात हो पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल क्षेत्र के नागरिकों के लिए प्रयासरत हैं।

कोविड-१९ आईएमए का नया अभियान

डॉक्टर बताएंगे ऑनलाइन उपचार

गोंदिया - इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गोंदिया द्वारा वर्तमान में चल रही कोविड-१९ की महामारी में नागरिकों से ऑनलाइन जूम ऐप के माध्यम से सीधे संवाद कर निशुल्क सेवा प्रदान करेगे। उपरोक्त संवाद सप्ताह में ३ दिन प्रति सप्ताह गुरुवार, शनिवार व मंगलवार को शाम ६.०० से ७.३० बजे के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों का पैनल नागरिकों के सवालों एवं जिज्ञासाओं का जवाब देंगे। जिसमें इस समय कोई भी व्यक्ति कोरोना के इलाज से संबंधित सलाह ले सकता है। इस अभियान के पहले सत्र में २२ अप्रैल को गोंदिया के जिला शल्य चिकित्सक डॉ.अमरिश मोहबे, विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ.अपूर्व कोलते (एमडी मेडिसिन) व डॉ.विकास जैन (अध्यक्ष आईएमए गोंदिया) जूम मीटिंग पर उपलब्ध होंगे।

Meeting ID : 9922233222
Passcode : ima2122

जूम मीटिंग पैनल का सहयोग करने के लिए डॉ.संजय भगत, डॉ.गौरव अग्रवाल व डॉ.पीयूष जायसवाल भी उपस्थित रहेंगे। नागरिकों द्वारा निशुल्क परामर्श का लाभ लेकर कोविड-१९ में अपना मनोबल बढ़ाएं ऐसा आव्हान आईएमए गोंदिया द्वारा किया गया है।

सौंदड़ के साप्ताहिक बाजार में भारी भीड़

सोशल डिस्टेंसिंग का हो रहा उल्लंघन

संवाददाता सड़क अर्जुनी - सड़क अर्जुनी तहसील में लोक संख्या के अनुसार सबसे बड़ा गांव सौंदड़ है। जहां बुधवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार में भारी भीड़ हो जाने से सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन होता दिखाई दिया। साथ ही लोग बिना मास्क लगाए खुलेआम बाजार में घूमते हुए दिखाई दिए। अब भी नागरिक कोरोना के बढ़ते संक्रमण से बेखौफ होकर घूम रहे हैं। सौंदड़ का साप्ताहिक बाजार में लोग बड़ी संख्या में भीड़ कर कोरोना नियमो का पालन करते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं। साथ ही इस ओर प्रशासन द्वारा भी अनदेखी किए जाने का नजारा साफ दिखाई दे रहा है। इस ओर जल्द से जल्द ध्यान देकर प्रतिबंधक उपाय करने की मांग नागरिकों द्वारा की गई है।

विशेष यह है कि सौंदड़ में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। फिर भी साप्ताहिक बाजार शुरु रहने से मरीजों की संख्या में और बढ़ोतरी होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

कृषि उत्पन्न बाजार समिति यार्ड में

थोक सब्जी व फल का व्यापार रहेगा शुरु

प्रशासन ने थोक व्यापारियों से शुरु रखने का किया आव्हान

गोंदिया - कोरोना संक्रमण बढ़ने के चलते थोक सब्जी व फल विक्रेता संघ द्वारा ब्रेक द चैन के अंतर्गत २५ अप्रैल से ३० अप्रैल तक अपना थोक व्यापार बंद रखने का निर्णय लिया था। जिस पर कृषि उत्पन्न बाजार समिति प्रशासन व जिला उपनिबंधक द्वारा व्यापारियों से चर्चा कर अपना व्यापार शुरु रखने का आव्हान किया है। समिति ने निर्णय लिया है कि इस दौरान व्यापार शुरु रहेगा। क्योंकि कोरोना महामारी के समय आम जनता को सब्जी व फल की आपूर्ति में बाधा न पहुंचे तथा यह व्यापार अति आवश्यक सेवा के अंतर्गत आता है। जिसके चलते उपरोक्त कालावधी के दौरान थोक व्यापार शुरु रहेगा। इसके लिए सभी नागरिकों को कृषि उत्पन्ना बाजार समिति द्वारा सूचना दी गई है कि समिति के मनोहरभाई पटेल मार्केट यार्ड में थोक सब्जी व्यापार बंद न रहकर पहले की तरह शुरु रहेगा। ऐसी जानकारी समिति के सभापति चुन्नीलाल बेंद्रे व समस्त संचालक मंडल द्वारा दी गई है।

थोक सब्जी व्यवसाय रहेगा शुरु

समिति प्रशासन व जिला प्रशासन द्वारा व्यापारियों के प्रतिनिधि मंडल से चर्चा कर उन्हें अपना व्यापार शुरु रखने का आहवान किया है। तथा समिति अपना मार्केट शुरु रखेंगे जिन व्यापारी भाईयों को व्यापार करना है वहां पर अपना व्यवसाय शुरु रख सकेंगे। जो व्यापारी संक्रमित हुए हैं वह अपना व्यवसाय बंद रखेंगे। समिति द्वारा २५ से ३० अप्रैल तक व्यापार पूरी तरह शुरु रखा जाएगा।

ऑक्सीजन लिक्विड की चौथी खेप पहुंची गोंदिया

किसी भी अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति न हो इस हेतु सांसद पटेल प्रयासरत

गोंदिया - एक तरफ देश में ऑक्सीजन की कमी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है, वहीं गोंदिया और भंडारा जिले में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो इसे लेकर सांसद प्रफुल पटेल निरंतर प्रयासरत है।

सांसद पटेल के प्रयासों से लगातार दोनों जिलों को ऑक्सीजन लिक्विड की पूर्तता कर ऑक्सीजन की कमी को दूर किया जा रहा है। २६ अप्रैल को गोंदिया जिले में नागपुर से १० टन का टैंकर क्र. एमएच-४०, एन-४९५८ ऑक्सीजन लिक्विड लेकर गोंदिया के श्याम इंटरप्राइजेस गैस रिफिलिंग प्लांट में पहुंचा। ये चौथी खेप है जो इस प्लांट पर पहुंची है।

सांसद पटेल के प्रयास से ही श्याम इंटरप्राइजेस के गैस प्लांट पर दो शिफ्टों पर गैस रिफिलिंग का कार्य २४ घंटे किया जा रहा है और गैस सिलेंडरों की पूर्ति की जा रही है। जल्द ही केटीएस अस्पताल में १३ हजार लीटर का ऑक्सीजन प्लांट भी शुरु होने वाला है, जिससे ऑक्सीजन की कमी को दूर किया जाएगा। इस प्लांट को जल्द शुरु कराने हेतु पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन जिलाधिकारी से संपर्क में है, तथा दोनों जिलों की वर्तमान स्थिति से सांसद पटेल को अवगत करा रहे हैं। टैंकर के पहुंचने के दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष के नगरसेवक विनीत सहारे, सुनील पटले, शैलेश वासनिक, प्रकाश आगाशे उपस्थित थे।

गोंदिया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में वेक्सीन लगाने व कोरोना जांच बढ़ाएं - पंकज यादव

पालक मंत्री नवाब मलिक के नाम ज्ञापन देकर की मांग

गोंदिया जिले में दिनोंदिन कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ती ही जा रही है तथा संक्रमण तेजी से फैल रहा है। जिसमें गोंदिया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थिति नियंत्रण के बाहर हो चुकी है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में वेक्सीन लगाने की गति बढ़ाने के साथ ही कोरोना जांच आरटीपीसीआर की जांच बढ़ाने की मांग को लेकर शिवसेना जिला समन्वय पंकज यादव ने राज्य के अल्पसंख्यक विकास व गोंदिया जिले के पालकमंत्री नवाब मलिक के नाम ज्ञापन गोंदिया के शासकीय मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ.नरेश तिरपुड़े को सौंपकर की है।

ज्ञापन में उन्होंने कहा कि जिले में कोरोना जांच ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नहीं हो पा रहा है। जिससे मरीजों के मरने की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। अभी ग्रामीण क्षेत्रों में वेक्सीन लगाने की व्यवस्था सुचारु नहीं हो पाई है। जिसके चलते गोंदिया शहर के शासकीय व निजी चिकित्सालयों में मरीजों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। जिससे हालात नियंत्रण के बाहर होता दिखाई दे रहा है। जिस पर जल्द से जल्द स्वास्थ्य सुविधाओं में और बढ़ोतरी कर जिले के नागरिकों को इस महामारी में राहत दिलाने की मांग करने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना केयर सेंटर शुरु करने की मांग की है। इसके साथ ही शासकीय चिकित्सालय में कार्यरत चिकित्सकों के कार्य का टाइम टेबल प्रकाशित करने तथा उनके कांटेक्ट नंबर साथ में दिए जाने की भी मांग की है। इस अवसर पर पार्षद लोकेश यादव, शिवसेना उपजिला प्रमुख तेजराम मोरघड़े, संजू शमशेरे, सागर सिक्का, कृषभ मिश्रा, ललित अतकरे, शाहरुख पठान, विक्की बोमचेरे, बबला बोरकर, धनराज आदि उपस्थित थे।

बोरवेल मिस्त्रियों का कामबंद आंदोलन

पानी के लिए मचा हाहाकार, प्रशासन बेखबर

संवाददाता सालेकसा - वेतन भत्तों की मांग को लेकर ७ अप्रैल से सालेकसा पंचायत समिति तहत कार्यरत समस्त बोरवेल मिस्त्रियों ने काम बंद आंदोलन छेड़ रखा है। बोरवेल मिस्त्रियों के घर में बैठ जाने से ग्रामीण अंचल में इसका भारी असर देखने को मिल रहा है। बोरवेल खराब हो जाने पर उसको मरम्मत करने वाला कोई नहीं होने से अब ग्रामीण पानी के लिए दर-दर भटक रहे हैं। एक ओर कोरोना का असर, लॉकडाउन की मार और ग्रीष्मकाल। ऐसी भयंकर स्थिति में प्रशासन का बेखबर होना और मिस्त्रियों की मांग की ओर अनदेखी करना कहां तक उचित होगा? यह तो पंचायत समिति प्रशासन को ही मालूम। लेकिन गर्मियों के दिनों में पानी की किल्लत ग्रामीणों के लिए भारी समस्या बन गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत ७ अप्रैल से सालेकसा तहसील के समस्त बोरवेल मिस्त्रियों ने अपने वेतन भत्तों को लेकर कामबंद आंदोलन छेड़ रखा है। तत्सम्बध की चेतावनी भरा आवेदन उन्होंने खंडविकास अधिकारी सालेकसा, उप-अभियंता यांत्रिकी ग्रामीण पाणीपुरवठा जिप गोंदिया, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद गोंदिया, तहसीलदार सालेकसा तथा थानेदार सालेकसा को दिनांक ०१ अप्रैल को सादर किया था। जिसमें चेतावनी दी गई थी कि अगर १ सप्ताह में उनकी मांग पर विचार नहीं किया गया तो वे दिनांक ०७ अप्रैल से काम बंद कर देंगे। जिला प्रशासन और तहसील प्रशासन ने उनकी मांग की ओर अनदेखी की और आज भुगतना ग्रामीणजनों को पड़ रहा है। इस पर शीघ्र कोई ठोस उपाय करने की मांग ग्रामीणों ने की है।

जिप प्रशासन को लिखित जानकारी दी

बोरवेल बंद होने से निर्माण होने वाले पानी की दिक्कत का निराकरण करने की सूचना ग्राम पंचायत के सरपंच व सचिव को दी गई है। बोरवेल मिस्त्रियों की मांग पूरी करना हमारे बस में नहीं है। जिला परिषदस्तर पर इसका विचार किया जाना चाहिए। इसकी लिखित सूचना हमने जिप प्रशासन को दे दी है।

नप सफाईकर्मियों को मास्क, सेनीटाइजर व दस्ताने कराए उपलब्ध - नीतू बिरिया

मुख्य अधिकारी को पत्र देकर की मांग

गोंदिया नगर परिषद सफाई विभाग में काम करने वाले कर्मचारियों को मास्क, सेनीटाइजर व दस्ताने देने की मांग पूर्व सभापति व पार्षद नीतू अमित बिरिया ने मुख्य अधिकारी को पत्र देकर की है। गौरतलब है कि वर्तमान समय में कोरोना महामारी का प्रकोप बड़ी मात्रा में फैल रहा है। इसके बावजूद नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत सफाई कामगारों को प्रशासन द्वारा सुरक्षा के साधन उस प्रमाण में उपलब्ध नहीं कराए गए हैं, जिससे वे संक्रमणकाल के दौरान भी साधनों के अभाव में कार्य कर रहे हैं। इस कारण उनके जीवन पर भी संकट मंडराने लगा है।

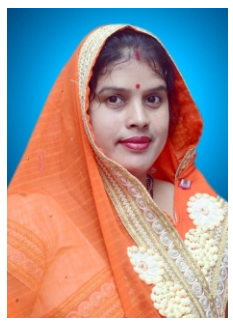

गोंदिया नगर परिषद अंतर्गत सफाई विभाग में २८० स्थाई कर्मचारी, घंटा गाड़ी में करीब १०० कर्मचारी तथा अस्थाई १०० कर्मचारी इस प्रकार ४५० से अधिक कर्मचारी सफाई कार्य में लगे हुए हैं। उनकी सुरक्षा को देखते हुए इस महामारी के दौरान सभी कर्मचारियों को नगर परिषद प्रशासन द्वारा मास्क, सेनीटाइजर व दस्ताने उपलब्ध करावाकर देने की मांग पार्षद नीतू बिरिया ने की है।

सहयोग हॉस्पिटल में कोरोना मरिजों की मौत होने पर नगर परिषद प्रशासन को नहीं दी जा रही जानकारी

अंतिम संस्कार के नाम पर भी हो रही अवैध वसूली - सभापति जितेंद्र पंचबुद्धे

नगर परिषद प्रशासन को नहीं दी जा रही जानकारी

गोंदिया नगर परिषद प्रशासन ने कोरोना संक्रमित मरीजों के अंतिम संस्कार की व्यवस्था है। जहां सरकारी व निजी चिकित्सालयों में संक्रमित मरीज की मृत्यु होने पर इसकी जानकारी संबंधित चिकित्सालय द्वारा नगर परिषद को दी जाती है। जिसके पश्चात नप प्रशासन द्वारा निशुल्क अंतिम संस्कार किया जाता है। लेकिन सहयोग हॉस्पिटल से अब तक किसी भी प्रकार की जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा रही। इस संदर्भ में हॉस्पिटल प्रशासन के अधिकारियों से चर्चा किए जाने पर समाधानकारक जवाब नहीं मिल पाया। इस मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई है।

- सुमेध खापर्डे, नोडल अधिकारी, नप गोंदिया

गोंदिया - शासन के नियमानुसार चिकित्सालय में कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत होने पर उनके अंतिम संस्कार के लिए स्थानीय प्रशासन को जानकारी देना आवश्यक है। लेकिन गोंदिया के सहयोग हॉस्पिटल में मरीजों की मौत होने पर इसकी जानकारी गोंदिया नगर परिषद को नहीं दी जा रही तथा मृतक के परिवार से एम्बुलेंस किराया व अंतिम संस्कार के नाम पर २५ से ३० हजार रुपये की अवैध वसूली भी की जा रही है। ऐसा आरोप नगर परिषद नगर रचना सभापति जितेंद्र पंचबुद्धे ने लगाते हुए मामले की जिला प्रशासन द्वारा कड़ाई से जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है।

गौरतलब है कि कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत होने पर उसका अंतिम संस्कार शासन के दिशा निर्देशानुसार स्थानीय प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। जिसके लिए किसी भी शासकीय, निजी चिकित्सालय अथवा घरों में संक्रमित मरीज की मौत होने पर इसकी जानकारी नगर परिषद को देना अनिवार्य है। जिसके पश्चात नगर परिषद द्वारा मृतक व्यक्ति का अंतिम संस्कार शासन के दिशा निर्देशानुसार किया जाता है। गोंदिया के सभी शासकीय व निजी चिकित्सालयों में संक्रमित मरीजों की मौत होने पर उनका अंतिम संस्कार नगर परिषद द्वारा किया जा रहा है। लेकिन गोंदिया के निजी सहयोग हॉस्पिटल में मरीजों की मौत होने पर अब तक इसकी जानकारी नगर परिषद प्रशासन को नहीं दी जा रही है। विशेष यह है कि गत कुछ दिनों पूर्व नगर परिषद के एक कर्मचारी की मौत हो गई थी, उसकी भी जानकारी हॉस्पिटल द्वारा नगर परिषद को नहीं दी गई। जिससे उसकी कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है। इस महामारी में हॉस्पिटल द्वारा मौत होने पर भी उसे व्यापार बना लिया गया है। जिसमें मृतक के अंतिम संस्कार के लिए एम्बुलेंस, लकड़ी व अन्य कार्यों के नाम पर २५ से ३० हजार रुपए की अवैध वसूली की जा रही है। पंचबुद्धे ने जिला प्रशासन द्वारा जांच कर कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

नोडल अधिकारी की भूमिका पर संदेह

शासन के दिशानिर्देशों अनुसार सभी निजी चिकित्सालयों पर शासन द्वारा कड़ी निगरानी रखने के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। लेकिन इस संदर्भ में सहयोग हॉस्पिटल में नियुक्त नोडल अधिकारियों की भूमिका पर संदेह निर्माण हो रहा है कि इस प्रकार की घटना होने पर भी अब तक उचित कार्यवाही क्यों नहीं की गई है?

क्रीड़ा संकुल बैडमिंटन हॉल में

सर्वसुविधायुक्त १२६ बेड्स के कोविड केयर सेंटर की तैयारी शुरु

२ मई तक मरीजों के लिए होंगा उपलब्ध

गोंदिया - जिले में कोरोना की विषम परिस्थितियों से निपटने सांसद प्रफुल पटेल व पालकमंत्री नवाब मलिक के बीच हुई विभिन्न उपाय योजनाओं पर चर्चा के बाद, जिला प्रशासन ने जिला क्रीड़ा संकुल के बैडमिंटन हॉल में सर्वसुविधायुक्त १२६ बेड का कोविड केयर सेंटर शुरु करने की प्रकिया शुरु कर दी है। इस कोविड केयर सेंटर में कार्यों का जायजा लेने हेतु पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने मंगलवार को दौरा कर निरीक्षण किया।

क्रीड़ा संकुल के बैडमिंटन हॉल में शुरु होने जा रहे १२६ बेड्स के सीसीसी सेंटर का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। नए बेड्स के साथ ही ऑक्सीजन पाइपलाईन बिछाने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। कोविड केयर सेंटर २ मई से मरीजों के लिए उपलब्ध होने की जानकारी जिप सीईओ डांगे ने पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन को दी।

जानकारी के तहत इस सेंटर में ११२ बेड्स हेतु कूलर तथा १४ बेड्स वातानुकूलित होंगे। इस कोविड देखभाल केंद्र का कार्य जिप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीपकुमार डांगे के नियंत्रण में है। वहीं इस कोविड केयर सेंटर में भर्ती मरीजों के इलाज की जिम्मेदारी शासकिय मेडिकल कॉलेज को सौंपी गई है। जीएमसी के अधिष्ठाता डॉ. नरेश तिरपुड़े उक्त कार्य पर बराबर ध्यानकेन्द्रित किये हुए है।

निर्माणाधीन सीसीसी सेंटर के निरीक्षण के दौरान पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन के साथ एनसीपी के नगरसेवक विनीत सहारे, सुनील पटले और शैलेश वासनिक उपस्थित थे।

जरुरत पड़ने पर और बेड्स बढ़ाये जाने की तैयारी

पूर्व विधायक जैन ने कहा, क्रीड़ा संकुल के बैडमिंटन हॉल में ऑक्सीजनयुक्त ११२ बेड का कोविड केयर सेंटर शुरु किया जा रहा है। उसीसे सटे एक छोटे हॉल में ऑक्सीजनयुक्त वातानुकूलित १४ बिस्तरों की व्यवस्था की जा रही है। यदि इनकी संख्या कम पड़ती है तो प्रशासन बेड की संख्या बढ़ाने के लिए भी तैयार है। सांसद प्रफुल पटेल दोनों जिलों की स्थिति पर नजर रख रहे हैं और जिला प्रशासन के लगातार संपर्क में हैं।

प्रेम संबंध छुपाने युवक की हत्या

ग्राम पुरगांव की घटना । ३ आरोपियों पर मामला दर्ज

गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम पूरगांव में प्रेम संबंध को छुपाने के लिए एक युवक की हत्या की घटना को तीन आरोपियों द्वारा अंजाम दिया गया। पुलिस द्वारा तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

गौरतलब है कि ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम पुरगांव निवासी सुशील योगराज पारधी की उसी के ग्राम के निवासी आरोपी युवक ने अपने अन्य दो साथियों के साथ मिलकर २६ अप्रैल की शाम ग्राम के ही खेत परिसर में धारदार हथियार से शरीर पर गंभीर बार कर हत्या कर दी। आरोपी का ग्राम की ही एक युवती से प्रेम संबंध था। जिसकी जानकारी मृतक को होने पर उसकी गांव में बदनामी होने के डर से आक्रोशित होकर आरोपी ने उसकी हत्या की। घटना के दिन मृतक प्रतिदिन के अनुसार अपने घर से बकरियों को चराने अपने खेत गया हुआ था। उसी दौरान आरोपी ने अपने अन्य दो साथियों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया। उपरोक्त मामले में गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाने में फरियादी सुनीता योगराज पारधी २१ वर्ष की मौखिक शिकायत पर तीनों आरोपियों पर धारा ३०२, ३४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच उपविभागीय पोलीस अधिकारी पांडे द्वारा की जा रही है।

पहल प्लाज्मा की ब्लड डोनेट संस्था व कार्यकर्ताओं का संयुक्त अभियान

जल्द ही होंगा प्लाज्मा संकलन कैंप का आयोजन

गोंदिया शहर के सभी रक्त मित्रों, संस्था व कार्यकर्ताओं द्वारा गोंदिया पहल प्लाज्मा अभियान सभी के सहयोग से शुरु किया गया है। जिसमें कोरोना से जंग जीत चुके सभी स्वस्थ नागरिक प्लाज्मा डोनेट कर जान बचाने का अमूल्य कार्य करने का आव्हान किया गया है। इसमें एक माह पूर्व जो स्वस्थ हो चुके हैं वह प्लाज्मा देकर अन्य मरीज की जान बचा सकते हैं। गोंदिया में वर्तमान समय में प्रतिदिन १५ से २० प्लाज्मा की आवश्यकता पड़ रही है। जिसे वर्तमान समय में नागपुर, भिलाई, रायपुर से मंगवाना पड़ रहा है। जिसमें समय व पैसा अधिक लग रहा है साथ ही समय पर प्लाज्मा उपलब्ध भी नहीं हो पाता जिसे देखते हुए रक्त मित्रों द्वारा एक संयुक्त पहल कर प्लाज्मा डोनेट का कार्य शुरु किया गया है। जिसके लिए गूगल पर एक लिंक भी बनाई गई है, जिसमें प्लाज्मा दानदाता स्वेच्छा से अपना नाम दे सकते हैं तथा उनका इस सामाजिक कार्य में महत्वपूर्ण योगदान होगा। जल्द ही एक कैंप का आयोजन कर गोंदिया में ही प्लाज्मा संकलन किया जाएगा। जिससे यहां पर उपचार कराने वाले मरीजों को समय पर प्लाज्मा उपलब्ध हो सके। ऐसा आव्हान गोंदिया पहल प्लाज्मा के माध्यम से सभी रक्त मित्रों द्वारा किया गया है।

गोंदिया मेडिकल कॉलेज में आरटीपीसीआर की नई मशीन पंहुची

प्रफुल पटेल के सफल प्रयास

गोंदिया मेडिकल कॉलेज में सांसद प्रफुल पटेल द्वारा पालकमंत्री नवाब मलिक से शीघ्र आधुनिक आरटीपीसीआर मशीन लगाने की चर्चा के बाद त्वरीत संबंधित कंपनी से बात की। जिसके बाद अब नई अत्याधुनिक आरटीपीसीआर मशीन गोंदिया पंहुच गई। वीआरडीएल लैब मशीन के आने से गोंदिया जिले में जांच क्षमता १५०० से २००० तक प्रतिदिन होगी और रिपोर्ट भी तेजी से प्राप्त होंगी। यह मशीन आगामी चार दिनों में कार्यरत हो जाएगी, जिसके लिये मेडीकल कॉलेज के डीन डॉ. तिरपुड़े कार्यरत है। सांसद पटेल व पालकमंत्री मलिक द्वारा गोंदिया जिले में करोना संक्रमण के चलते मरीजों की सुविधा हेतु उचित प्रबंध बाबत सभी प्रयास जारी

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

क्या आप परेशान हैं?

शादी से पहले, शादी के बाद की कमजोरी
उम्र की अधिकता से सेक्स में कमजोरी
नि:संतान, स्वप्नदोष, इंद्रिय का छोटापन
टेढ़ापन, शिथिलता, शुगर से आयी कमजोरी
आदि समस्याओं के ईलाज के लिए...
डॉ.सुशील गेडाम
बी.ए.एम.एस., एस.एच.सी.
धनवंतरी आयुर्वेदिक दवाखाना
हर रविवार
सुबह 11 से 4 बजे
शॉप नं.31, राजलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स,
पाल चौक, गोंदिया
संपर्क क्र.: 7879453857, 8964889608

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें । - सम्पादक

जिले से बाहर आने जाने लगेगा ई-पास

देना होगा कोविड नेगेटिव रिपोर्ट

गोंदिया - कोरोना संक्रमण बढ़ने के कारण शासन द्वारा कुछ प्रतिबंध लगाए गए हैं। जिसके अंतर्गत जिले से बाहर आने-जाने के लिए निजी वाहनों को अब ई-पास लेना होगा। जिसमें उन्हें कोविड जांच करवाना होगा, जिसमें नेगेटिव रिपोर्ट आने पर ही उन्हें यात्रा की मंजूरी मिलेंगी। जिसके लिए उन्हें शासन द्वारा जारी की गई ई-पास लिंक (https://covid19-mhpolice-in/) पर आवेदन करना होगा। उपरोक्त आवेदन में कोविड-१९ रिपोर्ट के साथ अन्य दस्तावेज जिसमें फोटो पहचान पत्र के रुप में आधारकार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस तथा यात्रा किस कारण से की जा रही है, की जानकारी भी देना होगा। संपूर्ण दस्तावेज प्राप्त होने के पश्चात ही उन्हें ई-पास प्राप्त होंगी। साथ ही निजी वाहनों में ४ सीटर वाहनों में ३ यात्रियों की मंजूरी, ७ सीटर वाहनों में ४ यात्रियों की मंजूरी मिल पाएंगी।

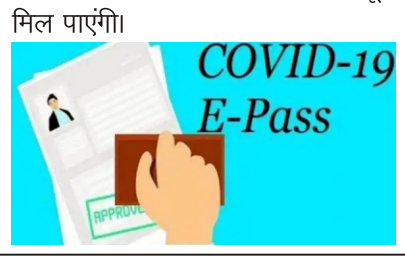

कोविड पर हुई समीक्षा बैठक : विधायक फुके बोले स्थिति में अभी भी सुधार नहीं

कोविड के प्रसार को रोकने RTPCR मशीन जल्द लगवाने, ग्रामीण अस्पताल व पीएचसी सेंटर में एंटीजन टेस्ट बढ़ाने व ऑक्सीजन बेड को त्वरित बढ़ाने के निर्देश दिए

गोंदिया - जिले में कोविड संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों व उसकी रोकथाम हेतु प्रशासनिक स्तर पर किये जा रहे कार्यों को लेकर उसकी समीक्षा हेतु जिलाधिकारी कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे गड़चिरोली के सांसद अशोक नेते, गोंदिया-भंडारा के सांसद सुनील मेंढे, विधायक परिणय फुके, जिलाधिकारी दीपककुमार मीना, जिप सीईओ डांगे, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, शासकीय मेडिकल महाविद्यालय व अस्पताल के अधिष्ठाता तिरपुड़े, मुख्याधिकारी करण चौहान, सभी प्रशासनिक अधिकारी व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

विधायक फुके ने समीक्षा बैठक के दौरान जिले में कोविड जांच हेतु आरटीपीसीआर टेस्टिंग में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा पालकमंत्री की अध्यक्षता में डीपीसी की मीटिंग में आरटीपीसीआर टेस्टिंग बढ़ाने अतिरिक्त नई मशीन की खरीदी करने के निर्देश दिए गए थे, परंतु अभी तक मशीन खरीदी कर शुरुवात नहीं की गई। उन्होंने कहा एक ही आरटीपीसीआर टेस्टिंग मशीन होने से रिपोर्ट में विलंब हो रहा हैं। नतीजतन कोविड मरीज की जांच में देरी होने से इसका संक्रमित मरीजो से प्रसार और फैलना ये कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं। उन्होंने त्वरित आने वाले नागरिकों की एंटीजन टेस्ट बढ़ाने के निर्देश दिए। विधायक फुके ने कहा जिले पर मरीजों के सीधे पहुंचने पर तनाव निर्माण हो रहा है। ऐसे संकट में जिले के अस्पतालों के तनाव को कम करने त्वरित ग्रामीण अस्पतालों व पीएचसी सेंटरों में टेस्ट व बेड्स की व्यवस्था को बढ़ाया जाना आवश्यक है। फुके ने केटीएस शासकीय रुग्णालय में अदानी के सीएसआर फंड से निर्मित किये जा रहे ऑक्सीजन प्लांट में हो रही देरी व डीपीसी से मंजूर ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट के धीमी गति के कार्य पर भी नाराजगी व्यक्त की तथा जिलाधिकारी से इसमें तेजी लाते हुए प्लांट शुरु करने के निर्देश दिए। उन्होंने ये भी कहा कोविड मरीजों के उपचार हेतु आवश्यक दवाइयों की कमी न हो इस हेतु भी योग्य नियोजन होना चाहिए।

समीक्षा बैठक में गड़चिरोली सांसद अशोक नेते, गोंदिया-भंडारा सांसद सुनील मेंढे व पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने कोविड के मामलों पर उसकी रोकथाम हेतु विभिन्न उपाय योजनाओं के तहत स्थिति को नियंत्रित करने के निर्देश दिए।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८ । (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है । न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।